श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

महाशिवरात्रि साधना-१५-०२-२०२६

इस वर्ष महाशिवरात्रि पर्व श्री निखिल विज्ञान धाम (गुरुधाम) में मनाया जायेगा और श्री निखिलेश्वर शिवलिंग का पूर्ण अभिषेक भी संपन्न होगा |

इस पर्व पर कुछ विशेष साधनाएं भी दीये जा रहे है जो इस प्रकार है |

साधक या साधिकायें , पूर्व दिशा की ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार का पूजन कर साधना आरंभ करे |

१) शिव कृपा हेतु:

विधान: पारद या कोई भी शिवलिंग पर बिल्व पत्र पुष्पादि से पूर्ण पूजन और अभिषेक करे और ५ या ११ या २१ माला जप रुद्राक्ष माला से करे |

मंत्र: || ॐ शं शंभवाय परम शिवाय शं ॐ ||

या

|| ॐ नमः शिवाय ||

या

|| ॐ नमो भगवते रुद्राय ||

सामाग्री: पारद या कोई भी शिवलिंग, रुद्राक्ष माला

जप संख्या: ५ या ११ या २१ माला

२) जीवन को पूर्णता देने वाली पारद शिवलिंग साधना:

यह साधना आर्थिक उन्नति,व्यापार वृद्धि,रोग निवारण,पारिवारिक समस्या निवारण,सभी कार्यो के लिए सर्वश्रेष्ठ एवं अद्वितीय माना गया है |

सामाग्री: पारद शिवलिंग,चैतन्य रुद्राक्ष माला एवं प्रभंजन गुटिका और तीन रुद्राक्ष के बीज |

समय: दिन या रात्री या दोपहर को कर सकते है |

माला: २१ माला जप करे ,५ दिन (किसी भी माह नवमी से त्रयोदशी)

वस्त्र: सफेद

दिशा: पूर्व या उत्तर

विधान: साधक या साधिकाये , पूर्व या उत्तर दिशा के ओर बैठे और सामने गुरु चित्र लगाकर पंचोपचार का पूजन कर साधना आरंभ करे | शिवलिंग की यथाशक्ति पूजन कर गुटिका एवं रुद्राक्ष के दाने स्थापित कर जप करे |

संकल्प: पूर्ण भौतिक एवं आध्यात्मिक उन्नति हेतु |

मंत्र: || ॐ ह्रीं तेजसे श्रीं कामसे क्रीं पूर्णत्व सिद्धिं देहि पारदाय क्रीं श्रीं ह्रीं ॐ ||

साधना के उपरांत गुटिका एवं रुद्राक्ष के दाने गले में धारण करे और शिवलिंग को पूजा स्थान में स्थापित करे |

पारद शिवलिंग साधना जिहोने संपन्न किया है,वे इस साधना का कई तरिकों से प्रयोग / उपयोग कर सकते है |

- अगर कोई आम बीमारी हो,जैसे बुखार आना बार बार अस्वस्थ होना आदि,तो इस मंत्र को प्रभंजन गुटिका और रुद्राक्ष दानो को की पानी के पत्र मे रख कर,१ माला या ३ माला एक दिन जप करे और उस जल/पानी को रोगी को पिलाने से,स्वास्थ मे सुधार होगी |
- अगर कोई बडी बिमारी हो तो, प्रभंजन गुटिका एवं रुद्राक्ष रोगी के गले में पहना कर,५दिनो तक इस मंत्र की ११ माला जप करे तो,रोग शांत होगा |
- अगर कोई भयंकर बिमारी(जैसे कांसर,एइड्स आदि) हो तो रोगी स्वयं इस मंत्र का २१ दिनो तक नित्या ११ माला या २१ माला जप करे तो कष्ट कम होगा |
- धन की समस्या हो तो,बुधवर को २१ माला जप पुनः कर ने से समस्या का समाधान संभव है |
- घोर विपत्ती या कष्ट हो तो, तेल के १०१ दीपक लगाकर,मंगलवार को ५१माला जपकरे तो,शांती मिलेगी |

३) शिव-लक्ष्मी कृपा हेतु :

विधान: पारद शिवलिंग की पूर्ण पूजन कर निम्न मंत्र जप शिवरात्री को संपन्न करे |

मंत्र: || ॐ नमः शिवाय ||

सामाग्री: पारद शिवलिंग, रुद्राक्ष माला

जप संख्या: ११ माला

मंत्र: || ॐ सिद्धि लक्ष्मी प्रदाय नमः शिवाय ॐ ||

सामाग्री: पारद शिवलिंग, कमल बीज माला

जप संख्या: १६ माला

४) संन्तान रक्षा हेतु :

विधान: पारद शिवलिंग पर जितने संन्तान की संख्या हो उतने प्रभंजन गुटिका चढाये और निम्न मंत्र ११ माला गुटिका पर त्राटक करते हुये जप करे | हर गुटिका पर ११ माला जप करे | गुटिका ४० दिनों तक अपने संन्तान के गले या बाह पर बांध कर रखे और ४१ वे दिन पानी में बहा दे |

मंत्र: || ॐ ह्रौं ह्रौं हुं हुं महाकालाय फट् ||

सामाग्री: पारद शिवलिंग, प्रभंजन गुटिका, रुद्राक्ष माला

जप संख्या: हर गुटिका पर ११ माला जप करे

५) सौभाग्य वृद्धि :

विधान: शिवलिंग पर प्रभंजन गुटिका एवं लघु नारियल चढा कर २१ माला निम्न मंत्र का जप करे |

मंत्र: || ॐ सौभाग्य गौरी महादेवायै नमः ||

सामाग्री: शिवलिंग, लघु नारियल, प्रभंजन गुटिका, रुद्राक्ष माला

जप संख्या: २१ माला

६) राजनीति एवं वाद विवाद में विजय :

विधान: शिवलिंग पर चार प्रभंजन गुटिका चढा कर २७ माला जप हकीक माला से जपे | जपोपरांत गुटिका किसी मंन्दिर या तालाब में विसर्जित कर दे |

मंत्र: || ॐ प्रभंजनाय फट् ||

सामाग्री: शिवलिंग, प्रभंजन गुटिका, हकीक माला

जप संख्या: २७ माला

****